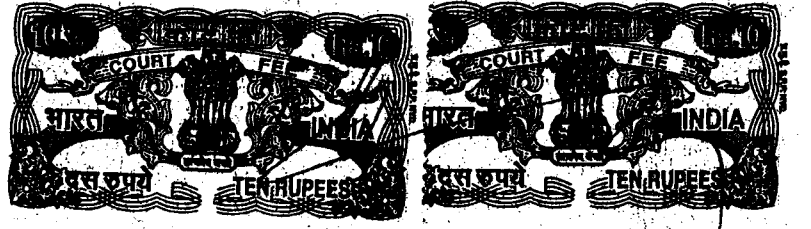


न्यायालय श्रीमान् अध्यक्ष महोदय राजस्व मण्डल रीवा संभाग, रीवा (म.प्र.)



1. मो० अजीम पिता कदीर मोहम्मद उम्र-38 वर्ष,
 2. अली मोहम्मद पिता स्व० शाह मोहम्मद उम्र-56 वर्ष,
 3. ईशा मोहम्मद पिता स्व० शाह मोहम्मद उम्र-53 वर्ष,
- सभी निवासी ग्राम-बैढन, जिला-सिंगरौली (म.प्र.)

आवेदकगण

बनाम

शेख मुनौवर पिता स्व० शेख बलखन्डी उम्र-86 वर्ष, सा० बैढन, जिला-सिंगरौली (म.प्र.)

अनावेदक

निगरानी विरुद्ध आदेश न्यायालय उपखण्ड अधिकारी महोदय बैढन, जिला-सिंगरौली (म०प्र०) के अपीलीय प्रकरण क्र. 63/अपील/2010-11 में पारित आदेश दिनांक 30.04.12 बावत् निरस्त किये जाने आलोच्य आदेश निगरानी अन्तर्गत धारा 50 म०प्र० भू-राजस्व संहिता

मान्यवर,

निगरानी के सूक्ष्म तथ्य

यह कि निगरानीधीन खसरा क्र. 621/1क रकवा 0.004 हे० स्थित ग्राम-बैढन, तहसील-सिंगरौली की भूमि है, जिसके एक मात्र भूमिस्वामी एवं आधिपत्यधारी आवेदक क्र. 2 व 3 थे। जिन्होंने दिनांक 22.05.08 को पंजीकृत विक्रय विलेख के आधार पर प्रतिफल के एवज में आवेदक क्र. 1 के पास बिक्री कर कब्जा दखल सौंप दिया था। जिससे अपीलार्थी ने न्यायालय तहसीलदार महोदय तहसील सिंगरौली के न्यायालय में नामान्तरण बावत् आवेदन पत्र प्रस्तुत किया, जिसमें अनावेदक ने इस आशय की झूठी आपत्ति प्रस्तुत की कि उक्त भूमि पर वह मकान बनाकर कई वर्ष से आबाद है। इसी आशय का उसने व्यवहार न्यायालय बैढन में एक दावा प्रस्तुत कर आवेदक क्र. 1 के कब्जे में हस्तक्षेप न करने बावत् अन्तरिम आवेदन पत्र प्रस्तुत किया, जहां उक्त न्यायालय ने कब्जे के सम्बन्ध में यथास्थिति बनाये रखने का आदेश दिनांक 04.09.08 को पारित कर दिया। लेकिन नामान्तरण

4
19-6-12

R-2014-II/12

दिनांक 1682
कोर्ट द्वारा आज
19-6-12 को प्राप्त

राजस्व मण्डल अ.प्र. न्यायालय

अधिवक्ता श्री झकीत
सिंह द्वारा प्रस्तुत
रीवा, दि. 22/5/2012


12/5/12

राजस्व मण्डल, मध्यप्रदेश ग्वालियर
अनुवृत्ति आदेश पृष्ठ-अ

मामला क्र०-R.2014-I/12

जिला-सिंगरौली

मोह० अजीम वगैरः/शेख मुनौवर

(1)	(2)	(3)
26.04.17	<p>1. प्रकरण प्रस्तुत।</p> <p>2. आवेदक तथा उनके अधिवक्ता की पुकार करायी गयी किन्तु सूचना उपरांत उपस्थित नहीं है।</p> <p>3. चूकि आवेदक तथा अभिभाषक सूचना उपरांत उपस्थित नहीं है। अतः संहिता की धारा-35(2) के तहत प्रकरण अदम पैरवी में खारिज किया जाता है।</p> <p>4. आदेश की प्रति अधीनस्थ न्यायालय को भेजी जावे, तत्पश्चात प्रकरण पंजी से समाप्त होकर दा.द. हो।</p> <p style="text-align: right;"> सदस्य</p>	